SHRI HARBINDER SINGH

Shri Harbinder Singh is an International Hockey Coach associated with the game of Hockey for more than six decades serving the nation for promotion of Hockey in various roles as a Player, Coach, Organizer, Official, Government Observer, Advisor and Selector. At present, he is Advisor of Round Glass Hockey Academy, Punjab grooming and nurturing boys and girls under 12, under 14 and under 16 at 10 various Academies spread over around Punjab and its villages.

2. Born on 8 July,1943 at Queta, Shri Singh studied at Khalsa College, Amritsar from 1958 to1962. He joined Indian Railways in April, 1962. He served the Railways for 41 years and superannuated as Senior Sports Officer in July, 2003.His International Sports career started at the age of 18 years with New Zealand and Australia tour as a member of Indian Hockey Team in 1961. He played three Olympics viz. Tokyo 1964 - Gold Medal and highest field goal scorer with 5 goals; Mexico 1968 - Bronze Medal again highest field goal scorer with 5 goals including a Hat-Trick and Munich 1972-Bronze Medal. In Asian Games held at Bangkok in 1966, he won Gold Medal and again at Bangkok in 1970, he won Silver Medal and captained the Indian Team. He also won Gold Medals in International Hockey Tournaments held at Lyons (France) in 1963 and at Hamburg (Germany) in 1966 - remained highest field goal scorer with 4 goals. In Seoul 1986,he was the Chief Coach of Indian Women Hockey Team and that team won Bronze Medal.

3. In the National Championships, Shri Singh won Gold Medal not only in Hockey but also in Athletics represented Punjab in Junior National Athletics Championship at Trivandrum, 1959 and Indian Railways in Senior National Athletics Championship held at Sangrur (Punjab) in 1967.To win Gold Medal in the Olympics, Asian Games and National Championships in two different major sports (Hockey and Athletics) is a rare achievement. In his sports career, he roughly scored more than 150 Goals and won 47 Gold, 12 Silver and 4 Bronze Medals. Being a sprinter with best timing of 10.8 seconds in 100 Meter, he was the fastest center forward in 1960s and 1970s.

4. Shri Singh remained Member/ Chairman of Selection Committee for 26 years -Indian Hockey Federation (IHF) for 8 years; Indian Women Hockey Federation (IWHF) for 9 years and Hockey India for 9 years. He was nominated as Government Observer by the Ministry of Sports and Youth Affairs, Government of India from January, 2011 to January, 2014. He was associated with Hockey India as Member- Award Committee; Member- Athlete Committee and Chairman- Master's Committee from 2014 to 2023.

5. Shri Singh was honoured with many awards including “Arjuna Award” in 1967; “Railway Minister Award” in 1966; “Best Sportsperson of Railways” in 1972; “Delhi Sports Journalist Association Life Time Achievement Award”; “Hockey India Major Dhyan Chand Lifetime Achievement Award” in 2019;Varistha Samman by Delhi Government in 2023 and J.P. International Award in Sports in 2023.

श्री हरबिन्दर सिंह

श्री हरबिन्दर सिंह एक अंतरराष्ट्रीय हॉकी कोच हैं। वह छह दशक से अधिक समय से हॉकी के खेल से जुड़े हुए हैं, और एक खिलाड़ी, कोच, आयोजक अधिकारी, सरकारी पर्यवेक्षक, सलाहकार और चयनकर्ता की अलग–अलग भूमिकाओं में हॉकी को बढ़ावा देते हुए राष्ट्र सेवा कर रहे हैं। वर्तमान में, वह राउंड ग्लास हॉकी अकादमी, पंजाब के सलाहकार हैं तथा पूरे पंजाब और उसके गांवों में स्थित 10 विभिन्न अकादमियों में 12 वर्ष से कम, 14 वर्ष से कम और 16 वर्ष से कम आयु के लड़कों और लड़कियों को हॉकी सिखा रहे हैं।

2. 08 जुलाई, 1943 को क्वेटा में जन्मे, श्री सिंह ने 1958 से 1962 तक खालसा कॉलेज, अमृतसर में पढ़ाई की। वह अप्रैल, 1962 में भारतीय रेलवे में शामिल हुए। उन्होंने 41 वर्षों तक रेलवे में कार्य किया और जुलाई, 2003 में वरिष्ठ खेल अधिकारी के पद से सेवानिवृत्त हुए। उनका अंतरराष्ट्रीय खेल करियर 18 वर्ष की आयु में 1961 में भारतीय हॉकी टीम के सदस्य के रूप में न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के दौरे से शुरू हुआ। उन्होंने तीन ओलंपिक खेले और उनमें से टोक्यो में 1964 में से स्वर्ण पदक और 5 गोल के साथ सबसे अधिक फील्ड गोल स्कोरर; मेक्सिको 1968 में कांस्य पदक एवं पुनः 5 गोल के साथ सबसे अधिक फील्ड गोल स्कोरर, जिसमें एक हैट–ट्रिक शामिल थी; और म्यूनिख 1972 में कांस्य पदक। 1966 में बैंकॉक में आयोजित एशियाई खेलों में, उन्होंने स्वर्ण पदक जीता और पुनः 1970 में बैंकॉक में रजत पदक जीता जिसमें वह भारतीय टीम के कप्तान भी थे। उन्होंने 1963 में ल्योंस (फ्रांस) में आयोजित अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता और 1966 में हैम्बर्ग (जर्मनी) में आयोजित अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्पर्धा में 4 गोल करके सबसे अधिक फील्ड गोल किया। सियोल 1986 में वह भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच थे और उस टीम ने कांस्य पदक जीता था।

3. राष्ट्रीय चैंपियनशिप में, श्री सिंह ने न केवल हॉकी में बल्कि एथलेटिक्स में भी स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने 1959 में त्रिवेंद्रम में आयोजित जूनियर नेशनल एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पंजाब का और 1967 में संगरूर (पंजाब) में आयोजित सीनियर नेशनल एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भारतीय रेलवे का प्रतिनिधित्व किया। ओलंपिक, एशियाई खेल और राष्ट्रीय चैंपियनशिप में दो अलग–अलग प्रमुख खेलों (हॉकी और एथलेटिक्स) में स्वर्ण पदक जीतना एक दुर्लभ उपलब्धि है। अपने खेल कैरियर में, उन्होंने 150 से अधिक गोल किए और 47 स्वर्ण, 12 रजत और 4 कांस्य पदक जीते। 100 मीटर में 10.8 सेकंड के सर्वश्रेष्ठ समय के साथ एक धावक के रूप में, वह 1960 और 1970 के दशक में सबसे तेज सेंटर फॉरवर्ड थे।

4. श्री सिंह 26 वर्ष तक चयन समिति अर्थात 8 वर्ष तक भारतीय हॉकी परिसंघ (आईएचएफ); 9 वर्ष तक भारतीय महिला हॉकी परिसंघ (आईडब्ल्यूएचएफ) और 9 वर्ष तक हॉकी इंडिया के सदस्य/अध्यक्ष रहे। खेल और युवा कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा उन्हें जनवरी, 2011 से जनवरी, 2014 तक सरकारी पर्यवेक्षक नामित किया गया था। वह 2014 से 2023 तक हॉकी इंडिया से सदस्य–पुरस्कार समिति; सदस्य–एथलीट समिति और अध्यक्ष–मास्टर समिति के रूप में जुड़े रहे।

5. श्री सिंह को कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है, जिनमें 1967 में "अर्जुन पुरस्कार"; 1966 में "रेल मंत्री पुरस्कार"; 1972 में "रेलवे का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी"; 2019 में "दिल्ली स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट एसोसिएशन लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड"; हॉकी इंडिया द्वारा "मेजर ध्यानचंद लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड"; 2023 में दिल्ली सरकार द्वारा वरिष्ठ सम्मान और 2023 में जेपी इंटरनेशनल अवार्ड इन स्पोर्ट्स शामिल हैं।